Web : muzaffarnagarbulletin.co.in
पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73 (79)
डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24

न्यूनतम 19 °c
अधिकतम 26 °c

आज की अमृतवाणी

तरक्की का सिर्फ एक ही रास्ता है, कभी पीछे मुड़कर न देखना।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

संस्थापक : उत्तम चंद्र शर्मा

यह मुज़फ़्फ़रनगर है.....

नेताजी के निधन से भारतीय राजनीति के स्वर्णिम युग का अन्त हो गया : प्रोफेसर राम गोपाल यादव

जिस्म मिट जाने से इन्सान नहीं मर जाते.... होंठ जम जाने से फरमान नहीं मर जाते.....

सूर्योदय : 6:16
सूर्यास्त : 5:53

वर्ष : 50/ अंक : 281 | मंगलवार, 11 अक्टूबर 2022 | अश्विन, कृष्ण पक्ष, द्वितीया, सम्वत् 2079 | मूल्य 3 रु. | पृष्ठ-

नहीं रहे समाजवादी चिंतन के पुरोधा, जिले में छोड़ गए कई यादें

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया है। उन्होंने आज सुबह 8.16 पर अंतिम सांस ली। वह 82 साल के थे। मुलायम सिंह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में वह वेंटिलेटर पर थे। पिछले रविवार से उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद सपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया। गृहमंत्री अमित शाह समेत तमाम नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उत्तर प्रदेश में उनके निधन पर तीन दिन के शोक का ऐलान किया गया है।

पहलवान और शिक्षक रहे मुलायम ने लंबी सियासी पारी खेली। तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री रहे। केंद्र में रक्षा मंत्री रहे। उन्हें बेहद साहसिक सियासी फैसलों के लिए भी जाना जाता है। 22 अगस्त को मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया था। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव को प्रोस्टेट, किडनी, सीने में संक्रमण, कम ऑक्सीजन लेवल, लो ब्लड प्रेशर सहित कई तरह की समस्या थी। मुलायम सिंह को एक अक्तूबर की रात को आइसीयू में शिफ्ट किया गया था। मुलायम सिंह यादव का मेदांता के एक डॉक्टरों का पैनल इलाज कर रहा था।

नेता जी की पाठशाला से निकले जिले के कई सियासी सितारे

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। मुलायम सिंह यादव का मुजफ्फरनगर से खास रिश्ता रहा। वे अपने राजनीतिक जीवन में दो दर्जन से अधिक बार जिले में आए और यहां के ना जाने कितने लोग ऐसे हैं, जिनके साथ उनका करीबी रिश्ता बना। जिले में बड़ी संख्या में ऐसे राजनीतिज्ञ हैं जो मुलायम सिंह यादव की पाठशाला से आगे बढ़े और राजनीति के शिखर पर पहुंचे। जिले के यह तमाम नेता उनकी राजनीतिक सलाहियत और हर दिल अजीज शख्सियत को याद कर आज आंखों को नम किए उन्हें याद करते दिखे। जिले में स्व.चितरंजन स्वरूप, स्व. मुनव्वर हसन, अमीर आलम खां, कादिर राना, चौधरी विरेंद्र सिंह, संजय चौहान, चंदन चौहान, राजपाल सैनी, राजकुमार यादव, प्रमोद त्यागी, चौधरी इलम सिंह, गौरव स्वरूप और सौरभ स्वरूप जैसे तमाम ऐसे नाम हैं जिन्होंने मुलायम सिंह यादव से राजनीतिक आशीर्वाद पाया।

जनता पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी और इसके बाद समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यादव की सियासत के कई रूप मुजफ्फरनगर ने देखे। जिले में अनेक लोग उनकी राजनीति के नजदीकी साक्षी रहे हैं। स्व. बाबू नारायण सिंह तो उनके साथ मंत्री रहे थे। इस नाते उनके परिवार को सदा नेता जी का आशीर्वाद मिला। यहां के तमाम बड़े नेताओं को वे नजदीक से जानते थे। जब भी मौका मिला मुजफ्फरनगर को उन्होंने तरजीह दी। लोहिया जी के जमाने से उनके पुराने साथियों में रहे सत्यवीर अग्रवाल बताते हैं कि मुलायम सिंह यादव 67 में पहली बार विधायक बने, तभी से उनका साथ उन्हें मिला। वे उनसे करीब छह माह बड़े थे। लोहिया जी के सामने उन्हें मुलायम के साथ काम करने का मौका मिला। समाजवादी पार्टी के गठन के बाद मुलायम ने उन्हें व्यक्तिगत पत्र लिखकर पश्चिम उत्तरप्रदेश में पार्टी की कमान संभालने को कहा, लेकिन उन्होंने राजनीति के इस रूप को स्वीकार नहीं किया। चुंगी समाप्त करना वे मुलायम का पहला बड़ा काम बताते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति ने चाहे जो बनाया हो, लेकिन मुलायम सच्चे समाजवादी थे। उनका जाना उस पीढ़ी के एक स्तंभ का चला जाना है जो राजनीति में शुचिता की बात करती रही है।

मुलायम का पार्थिव शरीर ला रही एम्बुलेंस में आई खराबी

मथुरा। पूर्व मुख्यमंत्री और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव का पार्थिव शरीर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से सैफई के लिए निकली एम्बुलेंस में मथुरा में खराबी आ गई। एम्बुलेंस से धुआं निकलता देख उसे रोकना पड़ा।

कल दोपहर बाद तीन बजे सैफई में होगा अंतिम संस्कार

लखनऊ। सपा संरक्षक, पूर्व रक्षामंत्री एवं प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव का अंतिम संस्कार मंगलवार दोपहर बाद 3 बजे होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी आने की चर्चा है। हालांकि अभी तक अधिकृत कार्यक्रम घोषित नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ । सोमवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे मुलायम का पार्थिव शरीर उनके गांव सैफई पहुंचा। शव पहुंचने के कुछ देर बाद ही सीएम योगी भी पहुंचे और पुष्प चक्र चढ़ाकर मुलायम को श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी के साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी पहुंचे। सैफई गांव में सपा समर्थकों और ग्रामीणों का मुलायम की एक झलक पाने के लिए हुजूम उमड़ पड़ा।

मुजफ्फरनगर बुलेटिन और उत्तमचंद्र शर्मा से रहा मुलायम सिंह यादव का खास रिश्ता

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। मुजफ्फरनगर बुलेटिन परिवार से मुलायम सिंह यादव का खास रिश्ता रहा। वे बुलेटिन संस्थापक उत्तमचंद्र शर्मा को अपना खास मित्र मानते थे और जब भी मुजफ्फरनगर में कोई कार्यक्रम या राजनीतिक फैसला लेना हो तो वे उनसे परामर्श अवश्य करते थे। पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी मुलायम सिंह यादव को बीमार अवस्था में देखने के लिए पहुंचे तो उन्होंने उनसे उत्तमचंद्र शर्मा के स्वास्थ्य के बारे में पूछा और कहा कि वो भी बीमार थे, अब कैसे हैं। प्रमोद त्यागी ने उन्हें शर्मा जी के विषय में बताया। प्रमोद त्यागी कहते हैं कि अगर शर्मा जी की राजनीतिक महत्वाकांक्षा होती तो मुलायम उन्हें राज्यसभा या विधानपरिषद भेज सकते थे, लेकिन शर्मा जी ने खुद को पत्रकारिता के लिए ही समर्पित रखा। मुलायम जब भी मुजफ्फरनगर आते थे तो शर्मा जी से मुलाकात या बात अवश्य करते थे। उत्तम चंद्र शर्मा ने उनके निधन को दुखद बताते हुए कहा कि समाज के तमाम वर्गों की तरह पत्रकारों के लिए भी मुलायम के दिल में खास जगह थी।

दोस्ताना रिश्ते : सपा के पुरोधा रहे स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के साथ बुलेटिन संस्थापक उत्तम चन्द्र शर्मा

योगी और मुलायमः ये रिश्ता क्या कहलाता है

लखनऊ, 10 अक्टूबर (वार्ता)। योगी के अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर मुलायम सिंह और योगी आदित्यनाथ की मुलाकातों की कुछ तस्वीरें शेयर की गईं। सीएम योगी मुलायम सिंह को श्रद्धांजलि देने सैफई भी पहुंचे। उन्होंने मुलायम सिंह को जुझारू, संघर्षशील और समाजवादी विचारधारा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। ट्विटर पर शेयर की गईं सीएम योगी और मुलायम की तस्वीरों में पुराने दिनों की कई यादें हैं। इन तस्वीरों में दोनों की एक-दूसरे के प्रति काफी आत्मीयता देखने को मिल रही है। दरअसल, यही भारतीय राजनीति की खूबसूरती भी है कि राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के धुर विरोधी नेता भी आपस में व्यक्तिगत तौर पर अच्छे सम्बन्ध रख सकते हैं। राजनीतिक विचारधारा के लिहाज से सीएम योगी और मुलायम भी एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे हैं।

जब मुलायम सिंह यादव बोले : एक सीट हारने से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। यूं तो मुजफ्फरनगर से जुड़ी मुलायम सिंह की तमाम यादें हैं, लेकिन 2004 के चुनाव के राजकीय इंटर कॉलेज की चुनावी सभा के उस किस्से तो लोग कई बार याद करते हैं, जब पार्टी की अंदरूनी लड़ाई के बीच मुलायम सिंह ने मंच से ही पार्टी नेताओं को साफ धमकी दे दी थी कि वे ऐसा ना सोचें की मुलायम उनके कहने से चलेगा। एकाध सीट हारने से उनकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। 2004 के लोकसभा चुनाव में सपा रालोद का गठबंधन था। अमीर आलम खां कैराना से सिटिंग एमपी थे। कादिर राना भी पार्टी के बड़े नेताओं में शामिल थे। मुजफ्फरनगर सीट से दोनों टिकट मांग रहे थे। राजकीय इंटर कॉलेज मैदान की सभा में दोनों के समर्थक मौजूद थे। उस चुनाव में दोनों चेहरों को दरकिनार कर मुलायम ने स्व.चौधरी मुनव्वर हसन को प्रत्याशी घोषित कर दिया। वहां मौजूद आलम और कादिर समर्थकों ने पूरा हंगामा किया और कुर्सियां तक चल गईं। इससे क्षुब्ध होकर मुलायम पार्टी नेताओं पर जमकर बरसे और कहा कि उन्हें एकाध सीट हारने से कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। उन्होंने मुनव्वर को लड़ाने का फैसला किया है, चाहे हार हो या जीत वे इसे नहीं बदलेंगे। इस घटनाक्रम के बाद कादिर राना सपा छोड़कर कांग्रेस में चले गए और अमीर आलम खां मौन होकर घर बैठ गए थे।

पुरानी यादें : स्वर्गीय बाबू नारायण सिंह की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते मुलायम सिंह

पेपर मिल में हुए हादसे में कर्मचारी की मौत : हंगामा

मुजफ्फरनगर,10 अक्टूबर (बु.)। जानसठ रोड पर स्थित एक पेपर मिल में ट्रैक्टर पलटने से उसके नीचे दबकर एक कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने कार्यवाही की मांग को लेकर मिल में हंगामा किया।

सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव बहादरपुर निवासी राजकिशोर जानसठ रोड स्थित सिद्धेश्वरी पेपर मिल में काम करता था। सोमवार सुबह भी वह रोजाना की तरह पेपर मिल में काम पर गया था। आरोप है कि पेपर मिल में काम करते हुए कुछ कर्मचारियों ने राजकिशोर को मिल परिसर में खड़े एक ट्रैक्टर को चलाकर हटाने के लिए कहा, जिस पर उसने इंकार कर दिया। आरोप है कि कर्मचारियों द्वारा युवक पर ट्रैक्टर चलाने का दबाव डाला गया, जिसके चलते जैसे ही उसने ट्रैक्टर स्टार्ट कर चलाने का प्रयास किया, उसका अनुभव न होने के कारण ट्रैक्टर पलट गया। इसके चलते राजकिशोर पलटे ट्रैक्टर के नीचे दब गया। यह देख कर्मचारियों ने किसी तरह ट्रैक्टर के नीचे दबे युवक को बाहर निकाला और उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेज दिया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन व ग्रामीण पेपर मिल में जा पहुंचे और मिल प्रबंधन की लापरवाही से उसकी मौत होन का दावा करते हुए आर्थिक सहायता की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया।

घटना की जानकारी मिलने पर सिखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत किया। इसके बाद पीड़ित परिजनों की फैक्ट्री प्रबंधन से वार्ता कराई गई, जिसमें आर्थिक सहायता दिए जाने पर दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। इसके बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया, जबकि परिजनों द्वारा इस संबंध में कोई तहरीर नहीं दी गई।

करवाचौथ को लेकर हिंदूवादी संगठन ने किया लठ पूजन

▸ गैर सम्प्रदाय के लोगों से मेहंदी लगाने के काम से दूर रहने की दी चेतावनी

मुजफ्फरनगर, 10 अक्तूबर(बु.)। करवा चौथ को लेकर हिंदूवादी संगठन जिस तरह के तेवर दिखा रहे है, उससे कानून व्यवस्था की समस्या खड़ी हो सकती हैं। विहिप और बजरंग दल के बाद सोमवार को अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने लठ पूजन कर खुली चेतावनी दी कि यदि को गैर सम्प्रदाय का युवक मेहंदी लगाता मिला तो लठ से उसकी खबर ली जाएगी।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने सोमवार सुबह अपने कार्यालय पर लठ पूजा करते हुए लाठियों पर तेल लगा कर एक बड़ा ऐलान किया। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के आज दर्जनों कार्यकताओं ने अपने कार्यालय पर लाठियों पर तेल ललगा कर पूजा पाठ करते हुए चेतावनी दी है की बहू बेटी के सम्मान में हिंदू सभा मैदान में। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष लोकेश सैनी ने लठ पूजा करते हुए कहा कि हिंदू धर्म में करवा चौथ के व्रत पर कुछ जिहादी मानसिकता वाले लोग हमारी माताओं बहनों के हाथों में मेहंदी लगाने के बहाने उन्हें बहला फुसला लेते हैं और फिर मोबाइल नंबर लेकर हमारी माताओं बहनों का शोषण करते हैं। हमने आज लाठियों पर तेल लगा कर पूजा पाठ करते हुए अपनी माताओं बहनों से निवेदन किया है कि वह केवल हिंदू महिलाओं या हिंदू युवकों से ही मेहंदी लगवाएं, उन्होंने कहा कि यदि दूसरे सम्प्रदाय के युवक बाजारों में मेहंदी लगाते हुए नजर आए तो उनका लठों से इलाज किया जायेगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि दूसरे सम्प्रदाय के लोगों को करवाचौथ पर मेहंदी लगवाने की इजाजत नहीं दी जाए। बता दें कि इससे पहले विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल इस तरह की चेतावनी जारी कर चुका है। इन संगठनों ने राष्ट्र सेविका समिति के सान्निध्य में 12 स्थानों पर मेहंदी सेंटर लगाने की घोषणा की है।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

मुजफ्फरनगर,10 अक्टूबर (बु.)। अलग-अलग स्ड़क हादसें में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिये भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में जानसठ बाईपास के निकट रविवार देर रात अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे अधेड़ उम्र व्यक्ति को चपेट में लेकर कुचल दिया।

हादसे में अधेड़ की बुरी तरह कुचलने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में मौत की जानकारी मिलने पर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान न होने पर शव को मोर्चरी भेज दिया।

पुलिस मृतक को अद्ध विक्षिप्त बता रही है। एक अन्य घटना में छपार थाना क्षेत्र के गांव बढ़ेडी निवासी बीजा पुत्र धरमू की बाइक में हाईवे पर तेज रफ्तार रिट्ज कार ने टक्कर मार दी थी। हादसे में बीजा गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी बाद में मेरठ के सुभारती मेडिकल कॉलेज में ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई थी। बीजा के पुत्र विरेंद्र कुमार ने मामले में अब छपार थाने में इस हादसे की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

स्वामी यति नरसिंहानंद सरस्वती महाराज कोर्ट में पेश, मिली जमानत

मुजफ्फरनगर,10 अक्टूबर (बु.)। गाजियाबाद के डासना स्थित मठ के पीठाधीश्वर स्वामी यति नरसिंहानंद सरस्वती महाराज सोमवार सुबह कचहरी स्थित विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में कवाल कांड को लेकर चल रही सुनवाई के दौरान पेश होने के लिए जनपद में पहुंचे,कोर्ट में पेश होने के बाद अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। कोर्ट में पेशी के बाद मीडिया से वार्ता करते हुए यति नरसिंहानंद सरस्वती महाराज ने देश व विश्व की बढ़ती जनसंख्या और लगातार लग रहे सर तन से जुदा नारे को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। स्वामी यति नरसिंहानंद सरस्वती ने कहा कि इस तरह के नारे देश के साथ ही दुनिया भर में लग रहे हैं। यह नारे लगाने वालों के पीछे कट्टरपंथी इस्लामिक जिहादी हैं। जब तक इस जिहाद को खत्म नहीं किया जाएगा, इस तरह के नारे लगातार लगते ही रहेंगे। देश व विश्व में लगातार बढ़ रही आबादी को लेकर स्वामी यति नरसिंहानंद सरस्वती ने कहा कि देश व पूरी दुनिया में केवल मुस्लिम वर्ग ही अपनी आबादी बढ़ा रहा है। इसके पीछे भी कट्टरपंथी सोच है, जो देश व दुनिया को बर्बाद कर उस पर कब्जा कर अफगानिस्तान की भांति कट्टरपंथी सोच लागू करना चाहते हैं। यदि देश व दुनिया में जनसंख्या को लेकर सर्वे किया जाए तो पता चलेगा कि सभ्य लोग सीमित बच्चों के साथ जी रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज बच्चे पैदा करने में लगा हुआ है। देश में भी यदि सर्वे किया जाए तो देश के बहुसंख्यक वर्ग के घरों में दो-दो बच्चे ही मिलेंगे, जबकि मुस्लिमों के हर घर में दस-दस बच्चे मिलेंगे। इसके बावजूद असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग जनसंख्या को लेकर लगातार झूठ बोलते आ रहे हैं। स्वामी यति नरसिंहानंद सरस्वती ने समाजवादी पार्टी के मुखिया रहे मुलायम सिंह यादव के निधन पर भी शोक जताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रहने वाले मुलायम सिंह यादव लोकप्रिय नेता थे, जिनका जाना एक अपूर्णीय क्षति है।

श्री उत्तम चन्द्र शर्मा
(संस्थापक व प्रकाशक, मुजफ्फरनगर बुलेटिन)
व
श्री अंकुर दुआ
(सम्पादक, मुजफ्फरनगर बुलेटिन व सदस्य, भारतीय प्रेस परिषद्)
एवं
समस्त बुलेटिन परिवार सदस्यों
को मुजफ्फरनगर बुलेटिन के सुनहरे
50 वर्ष
पूर्ण करने व जनपद को मुजफ्फरनगर बुलेटिन
का रंगीन संस्करण उपलब्ध कराने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ।

उत्तम चन्द्र शर्मा
संस्थापक

अंकुर दुआ
सम्पादक

अभिनव सुशील
सी.ई.ओ.
डॉ. अशोक कुमार
रेडियोलोजिस्ट
डॉ. सोमेश कुमार गुप्ता
आर्थोपेडिक सर्जन
डॉ. रोहित व्यवहारे
परामर्श चिकित्सक
डॉ. संदीप काले
जनरल लैप्रोस्कोपी एवं गैस्ट्रो सर्जन
डॉ. गौरव शर्मा
कैंसर रोग विशेषज्ञ

SKB AAROGYAM
Multi Speciality Healthcare (Hospital)
निकट स्टेपिंग स्टोन्स स्कूल, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर 7300740070, 7300740072, 7302547171, 8791897001

-: उपलब्ध सुविधाएँ :-
डायलिसिस विभाग + आपातकालीन एवं ट्रोमा + जनरल सर्जरी + इंटरनल मेडीसिन
स्त्री एवं प्रसूति विभाग + शिशु रोग विभाग + कैंसर चिकित्सा (कीमोथैरेपी) + आई.सी.यू.
एक्स-रे + पैथोलॉजी + फॉर्मेसी + 24x7 एम्बुलेंस सुविधा।

समाजवादी राजनीति के विश्वविद्यालय थे मुलायम

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। नेता जी का जाना जिले के उन तमाम लोगों के लिए निजी क्षति है, जिन्होंने सियासत ककहरा भले ही किसी स्कूल से सीखा हो, लेकिन स्नातक और मास्टर की डिग्री मुलायम सिंह यादव के विश्वविद्यालय से पाई। मुलायम को धरती पुत्र यूं ही नहीं कहा जाता। मिट्टी से लौंदे को उठाकर उसे सियासी मूर्ति के रूप में गढ़ना और उसके प्राण फूंकना, वह कला थी, जिसका लोहा जिले के तमाम वे लोग मानते हैं, जिन्होंने राजनीति के इस शलाका पुरुष को देखा और समझा है।

कार्यकर्ता से वे पुत्रवत् व्यवहार करते थे

मुलायम सिंह यादव कार्यकर्ता से पुत्रवत् व्यवहार करते थे। वे जमीनी नेता थे। मुजफ्फरनगर में बुढ़ाना और टिकौला चीनी मिलें उनकी देन हैं। बुढ़ाना मिल के उद्घाटन के समय वे आए तो हमारे घर भोजन करना चाहते थे। इसके लिए तैयारी भी कर ली गई थी। लेकिन योजना आयोग के निर्देशों के चलते वे नहीं आ पाए। उनका बड़प्पन था कि हैलीपैड पर उन्होंने मुझ जैसे छोटे से कार्यकर्ता से ना आने के लिए माफी मांगी और फिर आने की बात कही। हमारे पिता स्व. लक्ष्मीचंद त्यागी के निधन की सूचना उन्हें मिली तो वे मुंबई में थे। वहीं से उनका फोन कई बार आया और सांत्वना देने के साथ उन्हें अपने परिवार का ध्यान जिम्मेदारी से रखने की सलाह दी। मुलायम सिंह यादव की एक खास बात थी कि वे कार्यकर्ता के साथ एक ऐसा रिश्ता कायम कर लेते थे, जो तोड़ना मुश्किल हो जाता था

प्रमोद त्यागी
पूर्व जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी।

मुझे मनाने मेरे घर आए तो मैं उनका मुरीद हो गया

मुलायम बहुत बड़े दिल के नेता थे। कार्यकर्ता गुस्सा होते तो वे मुस्कुराहट से उन्हें संभाल लेते थे। उनका बड़प्पन ही था कि 2004 की घटना के बाद जब वे घर पर थोड़ा नाराज होकर अपने घर पर बैठ गए थे तो चुनाव से कुछ दिन पूर्व यहां जनसभा के लिए आए मुलायम सीधे हमारे आवास पर पहुंचे और वहां से हाथ पकड़कर मुझे अपने साथ पार्टी के मंच पर लेकर गए। मैं उनका मुरीद हो गया। एक बार सैफई में वे और नवाजिश आलम नेता जी से मिलने गए तो नेता जी कहीं व्यस्त थे। हम डाक बंगले पर थे। पता चलने पर नेता जी वहीं पहुंचे और साथ बैठाकर भोजन कराया और कार तक छोड़ने के लिए आए। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ता को हमेशा सम्मान दिया। आज की तरह नहीं कि कार्यकर्ता अपमानित होकर भी जी हुजूरी करते रहते हैं।

अमीर आलम खां
पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री।

दादा जी के साथ मंत्री रहे और पिता के बाद मुझे भी दिया भरपूर आशीर्वाद

मेरे परिवार को हमेशा स्व.मुलायम सिंह यादव का आशीर्वाद मिला है। दादा जी बाबू नारायण सिंह तो उनके साथ 74 में सहकारिता मंत्री रहे। पिता संजय चौहान 1996 में लोकसभा का टिकट दिया। गूर्जर आंदोलन में उनका आशीर्वाद मिला। दादा जी की समाधि पर आयोजन में वे आए। पिता स्व. संजय चौहान के निधन पर तो मुलायम काफी दुखी थे। दादा जी के साथ मित्रता के रिश्ते के साथ हमेशा उन्होंने उनके परिवार को राजनीति में आगे बढ़ाया। मुझे हमेशा वे कहते थे, राजनीति में ईमानदारी से आगे बढ़ना। पिता के जाने के बाद मुझे भी नेता जी और उन्हीं की तरह अखिलेश जी का आशीर्वाद मिला। आज उन्हीं के आशीर्वाद से वह राजनीति में हैं। उनका परिवार तो हमेशा उनका ऋणी रहेगा। उनका जाना परिवार के लिए बड़ी क्षति है।.

चंदन चौहान
विधायक मीरांपुर

ऐसी सियासी सोच वाला नेता होना मुश्किल

मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश की राजनीति का ऐसा चेहरा था, जिसने अपनी सियासी सोच को समाजवादी ढांचे में ढालने के साथ उत्तर प्रदेश की राजनीति को लंबे समय दिशा दी और ना जाने कितने युवाओं को अपने आशीर्वाद से राजनीति के मैदान का कांटे का पहलवान बताया। मेरे पिता हरेंद्र मलिक को उनका निरंतर आशीर्वाद मिला। अलग पार्टियों में होने के बावजूद वे हर सियासी चेहरे का सम्मान करते थे। विरोधियों को भी उन्होंने हमेशा सम्मान दिया। युवाओं के लिए वे आदर्श रहे। समाजवादी विचारधारा के पुरोधा मुलायम सिंह यादव हर उस युवा के आदर्श रहेंगे जो जमीन से उठकर सियासत के मैदान में जोर आजमाना चाहता है। मेरी उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

पंकज मलिक
विधायक चरथावल

गजब की थी उनकी याददाश्त

ऐसा नेता होना मुश्किल है। मुलायम जिले के ना जाने कितने लोगों को नाम से जानते थे। गजब की उनकी याददाश्त थी। उन्हें अनेक बार उनके साथ रहने का मौका मिला। ऐसा सरल और प्रभावी व्यक्तित्व होना मुश्किल है जो कार्यकर्ता को अपने पन से अपना बना लेता था। कार्यकर्ताओं की पीड़ा को उन्होंने समझा। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा और अवसर दिए। ऐसे नेता को खोना उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए बड़ा नुकसान है।

मुकेश चौधरी

समाजवादी चिंतन का बलिष्ठ पहरूआ गया

समाजवादी चिंतक और लोहिया जी के विचार से प्रभावित होने के कारण स्व.मुलायम सिंह यादव से जुड़ने का मौका मिला। छात्र संघ की राजनीति से उन्हें देखा और समझा। आपातकाल के बंदियों को पेंशन और चिकित्सा सुविधा उन्होंने दी। उन्होंने जो सोच उत्तर प्रदेश की राजनीति को दी,वह आज के वक्त की जरूरत है। ऐसा लगता है कि समाजवादी चिंतन का एक बड़ा पहरूआ चला गया।

तरूण गोयल
एडवोकेट।

उन्होंने ना जाने कितनों को दी पहचान

अपने कार्यकर्ता को समझना और उस पर जान न्यौछावर करना, मुलायम सिंह की वह खूबी थी, कि जो एक बार उनसे मिल लेता था, उनका हो जाता था। मेरे जैसे ना जाने कितने लोगों को उन्होंने पहचान दी। कवाल से राजनीति शुरू कर लखनऊ में बैठाना उन्हीं की देन है। उनके जैसी सियासी सोच का नेता होना मुश्किल है। उनका जाना ऐसा लगता है जैसे राजनीति अनाथ हो गई हो।

अरशद आबिद
राष्ट्रीय प्रवक्ता सपा।

स्व. चौधरी टिकैत के साथ रहे नजदीकी संबंध

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। किसानों के लिए मुलायम सिंह खासतौर से चिंतित रहते थे। भाकियू अध्यक्ष स्व. चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के साथ उनके काफी नजदीकी संबंध रहे। सिसौली में भी दो बार तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव आए थे। पहली बार 11 दिसंबर 1990 को भाकियू की बड़ी जनसभा हुई। जिसमें देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल और मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव मौजूद रहे। इसके बाद 14 सिसौली में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने किसानों के साथ संवाद किया। चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के प्रति मुलायम सिंह यादव का रुख हमेशा दोस्ताना रहा। जब भी दोनों मिले तो गहरी आत्मीयता दिखाई। किसानों के लिए निःस्वार्थ भाव से लड़े चौधरी टिकैत के प्रति नेताजी की इज्जत कई मौकों पर देखी गई। लखनऊ में कई बार चौधरी टिकैत की उनसे भेंट हुई। दोनों एक दूसरे को मानते थे।

दो बार प्रधानमंत्री बनते-बनते रह गए थे मुलायम सिंह यादव, जानें किन नेताओं ने लगाया था अड़ंगा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (वार्ता)। मुलायम सिंह यादव राजनीति के अखाड़े के पहलवान कहे जाते थे। उन्हें अपने विरोधियों को चित करने में महारत हासिल थी। मुलायम उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे। वह देश के रक्षा मंत्री भी बने। हालांकि, मुलायम के राजनीतिक जीवन में 2 बार ऐसे मौके आए, जब वह प्रधानमंत्री बनते-बनते रह गए। आज नेताजी का गुरुग्राम के अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। हम आपको वो किस्सा बताते हैं कि आखिर कैसे पीएम बनने का मुलायम का सपना पूरा न हो सका।

पहला मौका 1996 में आया, जब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी मात मिली थी। कांग्रेस के खाते में 141 सीटें आईं और भाजपा ने 161 सीटें जीती थीं। अटल बिहारी वाजपेयी को सरकार बनाने का निमंत्रण मिला। वह प्रधानमंत्री तो बने लेकिन 13 दिनों बाद ही उनकी सरकार गिर गई। अब कांग्रेस के पास मौका था लेकिन वह खिचड़ी सरकार बनाने के मूड में नहीं थी। तब वीपी सिंह ने भी पीएम बनने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने बंगाल के सीएम ज्योति बसु का नाम आगे बढ़ाया जिसे पोलित ब्यूरो ने नामंजूर कर दिया।

अब प्रधानमंत्री की रेस में मुलायम और लालू प्रसाद यादव का नाम सबसे आगे था। हालांकि, चारा घोटाले के चलते लालू इससे बाहर हो गए। सबको एक करने का काम वामदल के बड़े नेता हर किशन सिंह सुरजीत को सौंपा गया था। उन्होंने मुलायम के नाम की पैरवी की। बताते हैं कि उनके शपथ ग्रहण की तैयारियां भी कर ली गई थीं। हालांकि, लालू और शरद यादव इसके लिए तैयार नहीं हुए, जिससे बात नहीं बन पाई। इसके बाद एचडी देवगौड़ा को पीएम पद की शपथ दिलाई गई। एचडी देवगौड़ा के नेतृत्व वाली मिली-जुली सरकार जल्द ही गिर गई। 1999 में फिर चुनाव हुआ। मुलायम सिंह ने संभल और कन्नौज दोनों ही सीटें जीत लीं। पीएम पद के लिए एक बार फिर उनका नाम आगे आया।

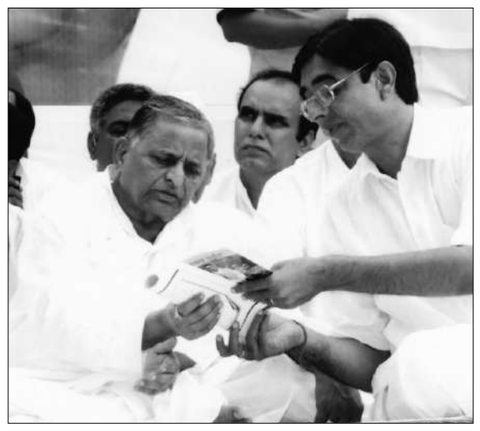

मुलायम की जिंदगी के खास मुकाम

1939: उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई गांव में जन्म
1967: राम मनोहर लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से पहली बार उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रवेश किया।
1968: चौधरी चरण सिंह के भारतीय क्रांति दल में शामिल हुए। इस पार्टी का संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी में विलय हो गया और भारतीय लोक दल का गठन हुआ। आपातकाल (1975-1977) के बाद भारतीय लोक दल का जनता दल में विलय हो गया।
1977: पहली बार मंत्री बने।
1982-1985: विधान परिषद के सदस्य रहे और परिषद में विपक्ष के नेता बने।
1985-87: जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष बने।
1989-1991: पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
1992: समाजवादी पार्टी का गठन किया।
1993-95: दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
1996: उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा, रक्षा मंत्री बने।
1998: संभल से फिर से लोकसभा सदस्य बने।
1999: संभल से फिर से सांसद चुने गए।
2003: तीसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। पत्नी मालती देवी का निधन। साधना गुप्ता से विवाह किया।
2004: मैनपुरी से सांसद चुने गए।
2007: उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता बने।
2009, 2014 और 2019 में सांसद बने। 10 अक्टूबर 2022 को निधन।

पहलवानी छोड़ बने सियासत केसरी

कानपुर, 10 अक्टूबर (वार्ता)। समाजवादी पार्टी और कुनबे के मुखिया मुलायम सिंह यादव ने अपने जीवन में काफी संघर्ष किया। 22 नवंबर 1939 को इटावा जिले के सैफई में जन्मे मुलायम सिंह की पढ़ाई-लिखाई इटावा, फतेहाबाद और आगरा में हुई। मुलायम कुछ दिनों तक मैनपुरी के करहल स्थित जैन इंटर कॉलेज में प्राध्यापक भी रहे। पांच भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर मुलायम सिंह की दो शादियां हुईं। पहली पत्नी मालती देवी का निधन मई 2003 में हो गया था। यूपी के मौजूदा सीएम अखिलेश यादव मुलायम की पहली पत्नी के बेटे हैं। साधना गुप्ता मुलायम की दूसरी पत्नी थीं। फरवरी 2007 में सुप्रीम कोर्ट में मुलायम ने साधना गुप्ता से अपने रिश्ते कबूल किए तो लोगों को नेताजी की दूसरी पत्नी के बारे में पता चला। साधना गुप्ता से मुलायम के बेटे प्रतीक यादव हैं।

मुजफ्फरनगर मंडी

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर, (बु.)।
मुजफ्फरनगर मंडी में गुड़-शक्कर के भाव इस प्रकार रहे:-
चाकू 1565-1620, लड्डू 1600-1670, खुरपापाड़ 1540-1555, आमद- 8000 मन।

सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर, (बु.)।
सोना-चांदी के भाव इस प्रकार रहे:-
सोना- 52,000 चांदी-60,000
सिक्का- 70,800 गिन्नी- 41,250

आपका आज का राशिफल

मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2022

मेष-आज दिन 11/55 बजे तक इच्छा की पूर्ति, अध्यात्म के प्रति रुचि, आहार-विहार में नवीनता, शेष समय निराशाजनक, सोचे हुए कार्य अपूर्ण, गलतफहमी के शिकार।

वृषभ-परिश्रम के अनुरूप सफलता, मनोभिलाषित योजना पूर्ण होने की ओर, वैवाहिक जीवन सुखद, यात्रा का प्रसंग, उत्तरदायित्व की पूर्ति हेतु प्रयत्नशील।

मिथुन-चिरवांछित कार्यों के बनने से प्रसन्नता, सुसंदेश की प्राप्ति, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, रचनात्मक कृत्यों की ओर रुझान, संकल्प सिद्धि, लाभ।

कर्क-आज दिन 11/55 बजे तक दिनमान प्रतिकूल, अधीनस्थ सहयोगी से अभाव, वाहन से भय, शेष समय अच्छा, व्यापारिक प्रगति, उच्चाधिकारियों का सहयोग।

सिंह-आज दिन 11/55 बजे तक कार्यों में सफलता, शुभ विचारों का उदय, यात्रा संतोषजनक, शेष समय अशुभ, आर्थिक पक्ष से असंतोष, विरोधी प्रभावी।

कन्या-उन्नति का सुअवसर, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, योजना साकार होने की ओर, प्रियजनों से विचार-विमर्श, राजनैतिक कृत्यों की ओर संलग्नता।

तुला-नवयोजना दृष्टिगत, व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान, शिक्षा के क्षेत्र में सफलता, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, सुख के जरूरी साधन सुलभ, आनन्द की अनुभूति।

वृश्चिक-आज दिन 11/55 बजे तक कठिनाइयाँ प्रभावी, स्वास्थ्य में व्यतिक्रम, विवाद की आशंका, हानि भी, शेष समय भाग्य के पक्ष में, प्रेम संबंधों में मधुरता।

धनु-आज दिन 11/55 बजे तक प्रगति का सुअवसर, निराशा का समापन, नवसम्पर्क उपयोगी, लाभ, शेष समय में ग्रहस्थिति भाग्य के विपरीत, पारिवारिक कलह।

मकर-अभीष्ट सिद्धि हेतु प्रयास, साझेदारी से लिया गया निर्णय हितकर, प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता, मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न, उत्साह में वृद्धि।

कुम्भ-परिस्थितियाँ भाग्य के पक्ष में, निजी पुराने विवाद का समापन, मनो-विनोद के अवसर प्राप्त, जिम्मेदारियों को निभाने हेतु अधिक व्यय, आपकी सौहार्द।

मीन-आज दिन 11/55 बजे तक स्वास्थ्य में शिथिलता, दिनचर्या अव्यवस्थित, मित्रों से तनाव, शेष समय में निराशा का समापन, दूसरे की आश्वासनों से राहत।

विमल जैन, हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्, एस-2/1-76,ए, वर्धन भवन, द्वितीय तल, आकांक्षा हॉस्पिटल के पास, टैगोर टाऊन एक्सटेंशन (महावीर मंदिर टू यू.पी. कालिज रोड) भोजूबीर, वाराणसी-221002 मोबाइल 9335414722

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्री उत्तम चन्द्र शर्मा ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रात:कालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक- अंकुर दुआ
प्रिन्टी -सम्पादिका-श्रीमति पूजा दुआ
☎, (प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
विज्ञप्ति-9368549219 (वि.)7983359929,
सम्पादक- 9412210257
e-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

मुलायम सिंह यादव रिश्ते निभाकर हसन परिवार के जरिए वेस्ट यूपी में बजा गए थे समाजवादी का डंका

-विशाल भटनागर-

कैराना, 10 अक्टूबर (बु.)। दरअसल रिश्तो को एक बंधन सूत्र में पिरो कर सजाए रखने की कला वाले अगर कोई नेता कह जाते थे तो, राजनीतिक गलियारों में नेता मुलायम का नाम सामने आता है। अगर कोई रिश्ते निभाना सीखे तो वहा भी मुलायम सिंह यादव से सीखे। हालाकि उनके अलविदा कहकर चले जाने के बाद उनकी यादों को कभी नहीं भुलाया जा सकता। ऐसे ही एक रिश्ता कैराना से बहुत पुराना रहा है। यहां वह एक बार दो महीने में लगातार दो बार आए। और मुनव्वर हसन के लिए वोट मांगे तो उनके भाई की शादी की दावत पर आकर लगभग 35 मिनट रहकर चले गए थे। आज उनके जाने के बाद लोग उनकी यादों को फिर से ताजा कर मुलायम सिंह यादव के जाने का दुःख साझा कर रहे है। बात करे तो समाजवादी पार्टी के संस्?थापक और तीन बार यूपी के मुख्?यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव का सोमवार की सुबह 8:16 बजे गुरुग्राम के मेदांता अस्?पताल में निधन हो गया। उनके निधन से देश भर में शोक की लहर है। हर कोई नेताजी के जाने से दुखी है और अपने-अपने ढंग से उन्?हें याद कर रहा है। ऐसा ही कैराना में भी देखने को मिला यहां हर कोई मुलायम सिंह यादव को ही याद करता रहा। क्योंकि मुलायम सिंह यादव भले ही कैराना के निवासी ना हो लेकिन उनका कैराना से एक लंबा रिश्ता रहा है। दरसल कैराना की राजनीति में बड़ा नाम कमाने वाले और चारो सदन तक सफर करने वाले मरहूम मुनव्वर हसन से उनका बहुत ही लगाव रहा है। उन्होंने ने हमेशा कैराना लोक या विधान सभा में प्रत्याशी मुनव्वर हसन को ही बनाया। और चुनाव भी ज्यादातर मुनव्वर जीते। सूत्रो की माने तो सन 1991 में मुनव्वर हसन ने राजनीति में जनता दल से विजय हासिल कर अपना कद बड़ा कर लिया था। जिसके बाद उनकी मुलाकात पूर्वांचल में नेता जी मुलायम सिंह यादव से हुई और उन्होंने मुनव्वर हसन को कैराना से चुनाव लड़ाने का वायदा किया। बाद में सन 1996 में समाजवादी के नेता मुनव्वर हसन ने चुनाव में ताल ठोकी तो खुद मुलायम सिंह यादव कैराना आए और चुनाव में मुनव्वर हसन को जीतकर भेजने की अपील कर गए,उनकी अपील का इतना असर हुआ की मुनव्वर हसन ने कद्दावर नेता कहे जाने वाले हरेंद्र मालिक के भाई को पटखनी दे डाली और जीत गए। लेकिन इससे पहले मुलायम सिंह यादव की मुलाकात ने मुनव्वर हसन को काफी कुछ राजनीति के गुर्र सिखा दिए थे। हालाकि मुनव्वर हसन के यहां 1995 में खुद मुख्य मंत्री रहते हुए मुलायम सिंह आए थे और उनके छोटे भाई वर्तमान पालिकाध्यक्ष हाजी अनवर हसन की अप्रैल माह में हुई शादी में शामिल हुए,और लगभग 35 मिनट कैराना में रहे और दावत कबूल कर चले गए। इतना ही नहीं तब कैराना को तितरतवाड़ा चुंगी के निकट हुई एक सभा में उन्होंने आकर विपक्षियों की नींद हराम कर दी थी,और तब वह बोल कर गए थे की अब मुझे वेस्ट यूपी में बार बार आने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि मुझे मुनव्वर शेर मिल गया। हालाकि 2008 में मुनव्वर हसन सड़क दुर्घटना में मारे गए। जब वह मुलायम सिंह से किसी बात पर नाराज होकर बसपा का हाथ थाम कर चुनम में आए थे। उनकी मौत के बाद उनकी पत्नी सांसद बन गई थी। लेकिन मुलायम सिंह यादव का कैराना आने का सिलसिला यही नहीं थमा। उन्होंने सन 2014 में उनके पुत्र को नाहिद हसन को भी राजनीति का दम भराया और कैराना छडियान में मन्नाडा चौक पर आकार चुनाव रैली की और चुनाव जीत गए।

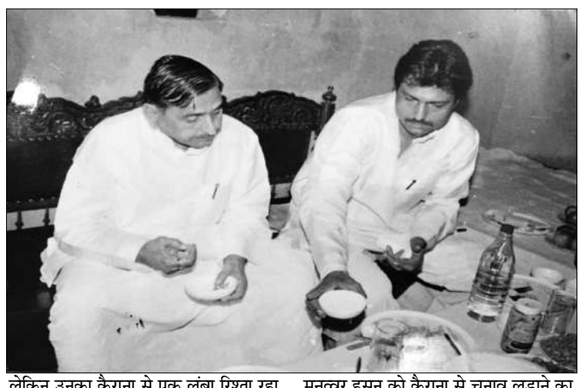

मुनव्वर के न्यौते पर कैराना पहुंचे थे वलीमे में शामिल होने मुलायम सिंह

फिर वो तस्वीरें भला कोई कैसे भूल सकता है जब मुनव्वर हसन के न्यौते पर कैराना पहुंचे थे। वह मुनव्वर हसन के छोटे भाई पालिकाध्यक्ष हाजी अनवर हसन के निकाह में शामिल हुए,इतना ही नहीं लगभग 35 मिनट रहकर मुनव्वर हसन के साथ खाना खाया।

वर्ष 2007 में चुनावी जनसभा में उड़न खटोले से पहुंचे थे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव

वर्ष 2001 में पूर्व मुख्यमंत्री एवं रक्षा मंत्री रहे मुलायम सिंह यादव शामली से सीधे कैराना पहुंचे थे हालांकि वह शामली में राजेश्वर बंसल की चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। लेकिन उसके बाद तत्कालीन राज्यसभा सांसद मुनव्वर हसन के आवास पर सीधे कैराना पहुंच गए। मरहुम सांसद मुनव्वर हसन के भाई कवर सन बताते हैं कि मुनव्वर हसन को वह दिल से प्यार करते थे और उन्होंने ही राजनीतिक उतार-चढ़ाव में हमेशा साथ दिया है साथ ही साथ उन्होंने कहा कि राज्यसभा सांसद तीनों सदनों में भेजने के लिए भी उनका आशीर्वाद हमेशा मिलता रहा। और मुनव्वर हसन का नाम गिनीज बुक में शामिल हुआ

मुलायम सिंह का हमेशा मिलता रहा आशीर्वाद

दरअसल मुलायम सिंह यादव ने कभी भी अपने रिश्तो में खटास पैदा नहीं की अगर उनसे रिश्तो में थोड़ी बहुत दरार पैदा हुई तो उन्होंने समय रहते उसको खुद ही संभाल लिया। इतने बड़े प्रदेश की जिम्मेदारी संभालने वाले नेता जी वर्ष 2007 में उस स्थिति में कैराना पहुंचे थे जब उन्होंने विजय सिंह पप्पू मलिक को चुनाव मैदान में उतारा था और उनके करीबी रहे मुनव्वर हसन राष्ट्रीय लोक दल के दामन में बंद गए थे, तब भी वह मुनव्वर हसन के लिए कह गए थे कि उन्होंने हमेशा हसन परिवार का साथ दिया है और कैराना का भी। हालांकि बाद में मुनव्वर हसन बसपा में शामिल हो गए थे और फिर हरियाणा के पलवल के पास सड़क दुर्घटना में मारे गए थे।

भोपा व ककराला में गिरी गरीबों के घरों की छत

भोपा, 10 अक्टूबर (बु.)। गांव भोपा व ककराला में बरसात के चलते दो ग्रामीणों के घरों की कच्ची छत गिर गई, जिससे घर में रखा सामान टूट गया। ग्रामीणों एसडीएम जानसठ से पीड़ितों का मकान बनवाने की मांग की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव ककराला में बीते रविवार की रात्रि में विजय उर्फ बोबी अपनी पत्नी मीनाक्षी व छोटे छोटे बच्चे ईशु, गुड़िया के साथ बरामदे में सोए हुए थे कि मध्य रात्रि में जोर से धमाके आवाज सुनाई दी, उठकर देखा तो कमरे की छत गिर गई और उसमें रखा सामान संदूक, कुर्सी, मेज टूट गई तथा खाने पीने का सामान खराब हो गया। वहीं, गांव भोपा में सोमवार की सुबह मजदूर धर्मसिंह के मकान की छत गिर गई। गांव के मनोज शर्मा, कुलदीप कश्यप, जुनैद, नितिन, तरूण प्रधान आदि ने एसडीएम जानसठ से पीड़ितों का मकान बनवाने की मांग की है।

शाहपुर में बालक को लगा हाई वोल्टेज करंट

शाहपुर, 10 अक्टूबर (बु.)। शाहपुर में बालक को लगा हाई वोल्टेज लाइन का करंट बाल बाल बची जान, चेयरमैन परमेश सैनी मौके पर पहुंचे विद्युत अधिकारियों से की बात आबादी के बीच से 11000 की लाइन दूर करने की मांग की। नगर के मोहल्ला गडरियान में स्थित बाहरी बस्ती में 10 वर्षीय बालक कार्तिक को उसके मकान की छत से होकर गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन के करंट ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया आनन-फानन में बालक को करंट से दूर किया गया तथा मुजफ्फरनगर रेफर किया गया। बालक की हालत गंभीर बनी हुई है। नगर पंचायत अध्यक्ष परमेश सैनी ने मौके पर पहुंचकर विद्युत विभाग के आला अधिकारियों से वार्ता की तथा आबादी के बीच स्थित उक्त 11000 की विद्युत लाइन के स्थानांतरण की मांग की।

बारिश ने दूसरे दिन भी फेरा उम्मीदों पर पानी, भर्ती स्थगित

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। बारिश के कारण सोमवार को दूसरे दिन अग्निवीर सेना भर्ती रैली मैदान में जलभराव और कीचड़ होने के कारण स्थगित रही। सेना द्वारा सरधना तहसील की भर्ती अब 12 अक्टूबर को करायी जाएगी।

एसडी पब्लिक के छात्रों ने संस्कृत की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी किया विद्यालय का नाम रोशन

मुजफ्फरनगर,10 अक्टूबर (बु.)। बाल्मीकि जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा राज्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भिन्न-भिन्न स्तरों पर आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्रों अतिशय जैन कक्षा आठ ने संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता तथा सजल शर्मा कक्षा 11 ने गद्य वाचन प्रतियोगिता में भाग लिया। जनपद मुजफ्फरनगर के 'शुकदेव संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, शुक्रतीर्थ 'में जिला विद्यालय निरीक्षक के द्वारा 13 सितंबर को आयोजित जनपद स्तरीय संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता में अतिशय जैन ने प्रथम पुरस्कार एवं 1,000 की धनराशि को प्राप्त किया तथा विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसी क्रम में अगले स्तर मंडल स्तरीय संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता में अतिशय जैन ने प्रथम स्थान बनाए रखा तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त किया।

अतिशय को पुरस्कार स्वरूप 3,000 की धनराशि भी मिली। 'जयतु जननी' संस्कृत गीत के द्वारा भारत माता की वंदना करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी अपने गायन का सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले में अतिशय जैन को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। संस्थान द्वारा रूपये 11,000 की नकद धनराशि छात्र को पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। संस्कृत संस्थान द्वारा छात्र को मेरठ,दिल्ली और साहिबाबाद रेडियो स्टेशन पर गायन का निमन्त्रण भी मिला। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से आए 84 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए छात्र अतिशय जैन ने अपने विद्यालय की गरिमा को और बढ़ा दिया। विद्यालय के ही दूसरे छात्र सजल ने ऑनलाइन होने वाली संस्कृत गद्य वाचन प्रतियोगिता में चयनित सूची में स्थान पाने का गौरव प्राप्त किया। सजल को भी राज्य स्तरीय गद्यवाचन प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु लखनऊ जाने का अवसर तथा 3,000 की धनराशि का पुरस्कार मिला। छात्र को लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्तम प्रदर्शन हेतु तृतीय स्थान प्राप्त हुआ तथा 5,000 की धनराशि पुरस्कार स्वरूप मिली। विद्यालय की संगीत अध्यापिका वीना शर्मा को लखनऊ मे संस्कृत संस्थान द्वारा उत्तम संगीत योजना के लिए ट्राफी से सम्मानित किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय की डॉयरेक्टर चंचल सक्सेना तथा प्रधानाचार्या अनीता दत्ता ने छात्रों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन में विद्यालय की संगीत अध्यापिका वीना शर्मा तथा संस्कृत अध्यापिका सबा अनवर एवं उनके माता पिता का विशेष योगदान रहा।

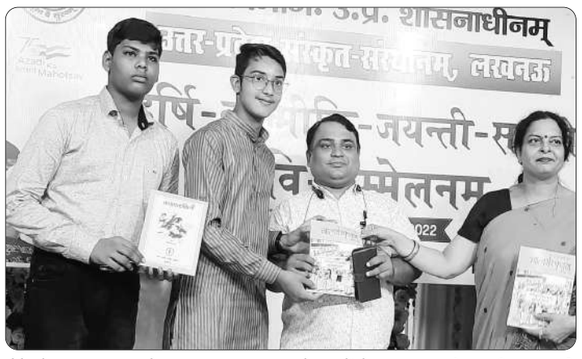

बुलेटिन सम्पादक अंकुर दुआ नगर रत्न से सम्मानित

मुजफ्फरनगर, 10 अक्तूबर(बु.)। मुजफ्फरनगर बुलेटिन के रंगीन संस्करण के लिए शुभचिंतकों, परिचितों और सुधी पाठकों के बधाई देने का सिलसिला जारी है। आचार्य कुल के प्रान्तीय अध्यक्ष होतीलाल शर्मा ने सोमवार को बुलेटिन पहुंचकर भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य एवं सम्पादक अंकुर दुआ को आचार्य कुल की ओर से नगर रत्न के पदक से सम्मानित किया, जबकि होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. विवेक कुमार ने दुआ को शॉल ओढाकर सम्मान दिया। नेशनल मॉडर्न जूनियर हाईस्कूल की प्रधानाचार्या नजमा जिलानी ने सोमवार को बुलेटिन पहुंचकर भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य सम्पादक अंकुर दुआ को आशीर्वाद दिया। उन्होंने बुकें भेंट कर बुलेटिन के रंगीन संस्करण और स्वर्ण जयंती के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि बुलेटिन के रंगीन और विमोचन समारोह की हर तरफ चर्चा है। होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. विवेक कुमार और रैनबैक्सी से जुड़े मुकेश अरोरा ने बुलेटिन सम्पादक दुआ को शॉल ओढाकर सम्मानित किया। आचार्यकुल के प्रान्तीय अध्यक्ष होतीलाल शर्मा और राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत रिटायर्ड शिक्षक आचार्य सीताराम ने बुकें और पटका पहनाने के साथ अंकुर दुआ को नगर रत्न का पदक प्रदान किया। सम्पादक अंकुर दुआ ने ने इन सबका आभार व्यक्त किया।

स्व0 संजय चौहान की 62वीं जयंती मनाई

मुजफ्फरनगर,10 अक्टूबर (बु.)। ग्राम नसीरपुर स्थित प्रे

1973-2022

सम्पादक की कलम से

मुलायम का सख़्त सफर

समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व रक्षा मन्त्री मुलायम सिंह यादव का कल गुरूग्राम के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। वे 82 साल के थे। मुलायम सिंह यादव काफी वक़्त समय से बीमार चल रहे थे, मुलायम सिंह यादव का सोमवार सुबह निधन हुआ। मुलायम सिंह का सियासी सफर काफी सख़्त रहा, उन्हें उनके सख़्त फैसलों के लिए याद किया जाता रहेगा। मुलायम सिंह यादव का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव सैफई में होगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने मुलायम सिंह यादव के निधन पर तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। मुलायम सिंह यादव के निधन पर समाजवादी पार्टी में शोक की लहर है। प्रधानमन्त्री मोदी ने सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक जताया है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के निधन से मुझे दु:ख पहुंचा है, उनका उल्लेखनीय व्यक्तित्व था तथा एक जमीनी नेता के तौर पर उनकी व्यापक प्रशंसा की जाती थी। प्रधानमन्त्री मोदी ने कहा कि जब हमने अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के रूप में काम किया, तब मुलायम सिंह यादव के साथ मेरी कई बातचीत हुई। घनिष्ठता जारी रही और मैं हमेशा उनके विचारों को सुनने के लिए उत्सुक था। उनके निधन से दुखी हूं। मुलायम सिंह की प्रतिभा को सबसे पहले पहचाना था प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के नेता नाथू सिंह ने, जिन्होंने 1967 के चुनाव में जसवंतनगर विधानसभा सीट का उन्हें टिकट दिलवाया था। उस समय मुलायम की उम्र सिर्फ. 28 साल थी और वो प्रदेश के इतिहास में सबसे कम उम्र के विधायक बने थे। उन्होंने विधायक बनने के बाद अपनी एमए की पढ़ाई पूरी की थी। जब 1977 में उत्तर प्रदेश में रामनरेश यादव के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी, तो मुलायम सिंह को सहकारिता मन्त्री बनाया गया। उस समय उनकी उम्र 38 साल थी, कहा जाता है कि मुलायम सिंह यादव की जवानी के दिनों में अगर उनका हाथ अपने प्रतिद्वंदी की कमर तक पहुँच जाता था, तो चाहे वो कितना ही लम्बा या तगड़ा हो, उसकी मजाल नहीं थी कि वो अपने-आप को उनकी गिरफ़्त से छुड़ा ले। आज भी उनके गाँव के लोग उनके 'चर्खा दाँव' को नहीं भूले हैं, जब वो बिना अपने हाथों का इस्तेमाल किए हुए पहलवान को चारों खाने चित कर देते थे। अध्यापक बनने के बाद मुलायम ने पहलवानी करनी पूरी तरह से छोड़ दी थी। लेकिन अपने जीवन के आखिरी समय तक वो अपने गाँव सैफई में दंगलों का आयोजन कराते रहे। 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के जसवंतनगर से विधायक बने,1996 तक मुलायम सिंह यादव जसवंतनगर से विधायक रहे, पहली बार वे 1989 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, 1993 में वे दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने। 1996 में पहली बार मुलायम सिंह यादव ने मैनपुरी से लोकसभा चुनाव लड़ा। 1996 से 1998 तक वे यूनाइटेड फ़्रंट की सरकार में रक्षा मंत्री रहे। उसके बाद मुलायम सिंह यादव ने संभल और कन्नौज से भी लोकसभा का चुनाव जीता। 2003 में एक बार फिर मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री बने। मुलायम सिंह यादव 2007 तक उतर प्रदेश के मुख्यमन्त्री बने रहे। इस बीच 2004 में उन्होंने लोकसभा चुनाव भी जीता, लेकिन बाद में त्यागपत्र दे दिया। 2009 में उन्होंने मैनपुरी से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीते भी। 2014 में मुलायम सिंह यादव ने आजमगढ़ और मैनपुरी दोनों जगह से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीते भी। बाद में उन्होंने मैनपुरी सीट छोड़ दी। 2019 में उन्होंने एक बार फिर मैनपुरी से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीते। चार अक्तूबर, 1992 को उन्होंने समाजवादी पार्टी की स्थापना की। भारतीय जनता पार्टी के बढ़ते हुए ग्राफ को रोकने के लिए उन्होंने कांशीराम की बहुजन समाज पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन किया। 1993 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को 260 में से 109 और बहुजन समाज पार्टी को 163 में से 67 सीटें मिलीं थीं। भारतीय जनता पार्टी को 177 सीटों से संतोष करना पड़ा था और मुलायम सिंह ने कांग्रेस और बीएसपी के समर्थन से राज्य में दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन यह गठबंधन बहुत दिनों तक नहीं चला, क्योंकि बहुजन समाज पार्टी ने अपने गठबंधन सहयोगी के सामने बहुत सारी माँगें रख दी। मायावती मुलायम के काम पर बारीक नजर रखतीं और जब भी उन्हें मौका मिलता, उन्हें सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने से नहीं चूकतीं। कुछ दिनों बाद कांशीराम ने भी मुलायम सिंह यादव की अवहेलना करनी शुरू कर दी। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव रहे टीएस आर सुब्रमण्यम अपनी किताब 'जरनीज थ्रू बाबूडम एंड नेतालैंड' में लिखते हैं, एक बार कांशीराम लखनऊ आए और सर्किट हाउस में ठहरे। उनसे पहले से समय लेकर मुलायम सिंह उनसे मिलने पहुँचे। उस समय कांशीराम अपने राजनीतिक सहयोगियों के साथ मंत्रणा कर रहे थे। उनके स्टाफ ने मुलायम से कहा कि वो बगल के कमरे में बैठकर कांशीराम के काम से खाली होने का इंतजार करें। कांशीराम की बैठक दो घंटे तक चली। इसके बाद भी मुलायम सिंह को इंतजार करवाया गया। उसी शाम कांशीराम ने बीजेपी नेता लालजी टंडन से संपर्क किया और कुछ दिनों बाद बहुजन समाज पार्टी ने सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। 29 अगस्त 2003 को मुलायम सिंह यादव ने तीसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस बीच उनकी अमर सिंह से गहरी दोस्ती हो गई। मुलायम ने अमर सिंह को राज्यसभा का टिकट दे दिया और बाद में उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बना दिया। जिसकी वजह से पार्टी के कई बड़े नेताओं ने, जिनमें बेनीप्रसाद वर्मा भी शामिल थे। प्रधानमन्त्री पद से देवेगौड़ा के इस्तीफा देने के बाद वो भारत के प्रधानमन्त्री बनते-बनते रह गए। कहा जाता है कि उस समय के उनके प्रतिद्वंद्वी दो यादवों लालू और शरद ने उनकी राह में रोड़े अटकाए और इसमें चंद्रबाबू नायडू ने भी उनका साथ दिया, जिसकी वजह से मुलायम को प्रधानमन्त्री पद नहीं मिल सका। अगर उन्हें वो पद मिला होता तो वो गुजराल से कहीं अधिक समय तक गठबंधन को बचाए रखते।

चार तीर

-सुनील 'उत्सव'

"जू-ाना" "जिन्दगी" "हुनर" "भरोसा"
हड़बड़ाना, बौखलाना, जूझना बेकार है,
जिन्दगी चलती रहेगी सोचना बेकार है।
अपनी मेहनत और हुनर पर गर भरोसा है तुम्हें,
ज्योतिषी से कल की बातें पूछना बेकार है।

लगातार हो रही बारिश ने मुकल्लमपुरा में गरीबों पर बरपाया कहर

मुकल्लमपुरा में चार गरीबों के आशियाने की छत गिरी ▶▶ लाखों की कीमत का सामान मलबे में दबा

मीरापुर,10 अक्टूबर (बु.)। पिछले कई दिनों से हो रही बारिश मीरापुर क्षेत्र के कई गरीबों पर आफत बनकर टूट पड़ी,लगातार पड़ रही बारिश के चलते मुकल्लमपुरा गांव में चार गरीबों के मकानों की कच्ची छत गिर गई।छत गिरने से पीड़ित परिवारों का लाखों रुपयों की कीमत का घरेलू सामान व खाद्य सामग्री मलबे के नीचे दबकर खराब हो गई।गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नही हुई। मीरापुर क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त है बारिश मीरापुर क्षेत्र के गांव मुकल्लमपुरा के चार ग्रामीणों पर आफत बनकर टूट पड़ी।चार दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण गांव मुकल्लमपुरा निवासी विधवा महिला इस्लामन के कच्चे मकान की छत गिरने से कमरे में नीचे रखा हजारो का घरेलू सामान मलबे में दबकर खराब हो गया साथ ही खाद्य सामग्री भी छत के मलबे में दबकर खराब हो गई।गनीमत यह रही कि जिस समय छत गिरी उस समय महिला इस्लामन घर के बाहर खड़ी थी नही तो बड़ा हादसा हो सकता था। वही इसी गांव के रहने वाले ग्रामीण अशोक पुत्र कर्म सिंह,बिट्टू पुत्र राजेन्द्र के मकान की कच्ची छत भी बारिश के चलते गिर गई।जिसके चलते उनका भी हजारो रुपयों का सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। एक अन्य ग्रामीण उमेश पुत्र संता के घर की दीवारें बारिश से गिरने के कारण घर पर पड़ा छप्पर नीचे गिर गया जिससे उसका सब सामान भी मलबे में दब गया।ग्रामीणों ने बामुश्किल सभी पीड़ितों का बचा हुआ सामान घरों से बाहर निकलवाया।ग्रामीणों ने पीड़ित परिवारों को जिलाधिकारी से मुआवजा देने की मांग की है।पीड़ित परिवारों के अनुसार छत गिरने से उनका लाखों रुपयों का नुकसान हुआ है।ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना के बावजूद भी लेखपाल व अन्य कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नही आया।

पांच वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वीकृत होने के बाद भी नही बना एक पीड़ित का मकान

मीरापुर,10 अक्टूबर (बु.)। एक ग्रामीण सोमपाल प्रजापति ने बताया कि एक पीड़ित उमेश ने वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन किया था जो कि उसी समय स्वीकृत भी हो गया था तथा उसका नाम आज भी प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में दर्ज है।किन्तु पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक उसका घर नही बना,जिसके चलते आज उसका आशियाना ढह गया।

अखिल भारतीय वैश्य अग्रवाल महासभा महिला इकाई ने मनाई अग्रसैन जयंती

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। अखिल भारतीय वैश्य अग्रवाल महासभा जनपद महिला इकाई द्वारा शिरोमणि महाराजा अग्रसैन जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दौरान सर्वप्रथम पालिका चेयरमैन अंजू अग्रवाल व महासभा की अध्यक्षा नीलिमा अग्रवाल ने सभी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित किया तथा महाराजा अग्रसैन जी को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन महासभा महामंत्री मोनिका गोयल ने किया।

बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में पहुंची नगर पालिका चेयरमैन अंजू अग्रवाल ने इस दौरान सभी को महाराजा अग्रसैन जयंती की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए समाज की बेहतरी के लिए कार्य करने का आह्वान किया। सभा की अध्यक्षा नीलिमा अग्रवाल व महामंत्री मोनिका गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसैन जी जो सदैव समाजवाद के प्रणेता और वैश्य समाज के प्रेरणा स्रोत, युगपुरुष, सहनशील और दानवीरता की प्रतिमूर्ति शिरोमणि महाराजा अग्रसैन जी ने उनके राज्य में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को एक ईट व एक रुपया देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उस राज्य में रहने वाले जितने भी व्यक्ति थे आने वाले को मदद करते थे। इस शुभ अवसर पर महिलाओं द्वारा रिश्तों का संसार के ऊपर जिसमें सास-बहू की नोकझोंक, दौरानी-जिठानी का प्यार, मां-बेटी का रिश्ता, बहनों का प्यार, मियां-बीवी का झगड़ा, आदि पर सुंदर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मधु गर्ग, नीलिमा अग्रवाल, रेनू गुप्ता, मोनिका गोयल, स्नेह गर्ग, रूमा अग्रवाल, अपर्णा गोयल, साधना कुच्छल, साधना गर्ग, अंजू अग्रवाल, प्रिया गोयल, रुचि गर्ग, सपना सिंगल, अनुराधा कुच्छल, मृदुल गुप्ता, स्नेहा, रीटा, रिशु, सुमन आदि काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

आउट सोर्सिंग कर्मचारियों ने किया राज्यमंत्री का घेराव

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। मुजफ्फरनगर के मेरठ रोड स्थित विकास भवन परिसर में चले आ रहे अनिश्चितकालीन धरने के बीच सोमवार को दिशा की बैठक में पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान का आउट सोर्सिंग कर्मचारी एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के बैनर तले घेराव किया गया। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के दर्जनों कर्मचारियों ने विरोध-प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठे कर्मचारियों ने अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर विरोध जताते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगे न माने जाने पर कर्मचारी अब उनके आवास पर धरना दिया जाएगा।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े दीपक ने बताया कि उनकी मांगे पूर्ण करने को लेकर प्रदेश सरकार के साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में हो रहे शांतिपूर्वक आंदोलन को कुचलने के लिये संगठन के प्रदेशाध्यक्ष शिव कुमार दुबे को बर्खास्त कर दिया गया है, जो सरासर गलत है। उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष की बर्खास्तगी को तत्काल वापस लिए जाने की मांग करते हुए मंत्री को ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय राज्यमंत्री को सौंपे ज्ञापन में आउट सोर्सिंग कर्मचारियों ने जहां एक ओर मूल निवास के पास तैनाती किए जाने की मांग की। वहीं सभी एनआरएलएम कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग समाप्त कर उन्हें नियमितीकरण किया जाना चाहिये, जिससे आउट सोर्सिंग कम्पनियों को सुविधा के नाम पर दिए जा रहे प्रति वर्ष करोड़ों रुपए की बचत कर राज्य कोषीय घाटे को कम किया जा सके। आंदोलनकारियों ने कर्मचारियों को उनके मूल निवास के नजदीक तैनाती किये जाने के लिये पॉलिसी तैयार करने की मांग की। इसके साथ ही धरने पर बैठे कर्मचारियों ने मांग करते हुए कहा कि आईपीआरपी समूह सखी आजीविका सखी एफएलसीआरपी, एफएनडब्ल्यू, आईसीआरपी कृषि सखी, पशु सखी, बैंक सखी का मानदेय की वृद्धि की जाने एवं मानदेय का भुगतान सीधे उनके व्यक्तिगत बैंक खाते में किया जाना चाहिए।

पूर्व प्रमुख की कार में की तोड़फोड़, आरोपी गिरफ्तार

भोपा, 10 अक्टूबर (बु.)। गांव जटवाड़ा में भाजपा नेता की गाडी में तोडफोड को लेकर सनसनी फैल गई। भाजपा का झंडा लगी गाडी के साथ तोडफोड करने वाले युवक के खिलाफ चालक द्वारा तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई, जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

थाना मीरापुर क्षेत्र के ग्राम तुरहेडी निवासी शहजाद पुत्र इलियास ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि वह पूर्व प्रमुख बिल्लू चौधरी की गाडी चलाता है। सोमवार कि सुबह दस बजे वह अब्दुल गफ्फार, मोहत्सिम आदि के साथ ककरौली थाने के गांव जटवाड़ा में शादी समारोह में शामिल होने के लिए स्कॉर्पियो गाड़ी से आया था। जामा मस्जिद के निकट गाड़ी पर झंडा लगा देख, वकास पुत्र अफजाल ने गाली गलौज करते हुए डंडे से वार कर गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गया। सूचना मिलने पर ककरौली थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने आरोपी युवक वकास को गिरफ्तार कर थाने ले आए।

पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव को दी श्रद्धांजलि

पुरकाजी 10 अक्टूबर (बु.)। समाजवादी पार्टी के संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन की खबर पर समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं में मायूसी छा गई। पूर्व सभासद नफीस फरीदी के निवास पर शोक सभा का आयोजित कर दो मिनट का मौन रखा गया। तथा मुलायम सिंह यादव के फोटो फूल चढाकर श्रद्धांजली दी गयी। इस मौके पर पूर्व सभासद आजाद फरीदी, इकरार फरीदी, नौशाद फरीदी, शेखान, शौकीन गुड्डू प्रधान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

Regd. Government of NCT Delhi, Regd. Ministry of MSME Government of India
प्रवेश प्रारम्भ
टेक्निकल कोर्स सीखें देश-विदेश में नौकरी पायें
फ्रिज, ए.सी. डिप्लोमा कोर्स (DAR)
फ्रिज, ए.सी. सर्टिफिकेट कोर्स (RAC)
H.V.A.C. डिप्लोमा कोर्स (HVAC)
घरेलू उपकरण रिपेयरिंग कोर्स
प्रशिक्षण हेतु शीघ्र सम्पर्क करें :
उमा
इलैक्ट्रॉनिक इन्स्टीट्यूट
273/2 उत्तरी सिविल लाइन निकट रेलवे स्टेशन, मुजफ्फरनगर
M: 8865013180
www.ueiho.com
शाखायें : उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ हेड ऑफिस- बरेली

आवश्यकता है
पैथोलॉजी कलेक्शन सैन्टर के लिए एक कम्पाउंडर की आवश्यकता है।
-: तुरन्त सम्पर्क करें :-
M. 9045045999

आवश्यकता है
शहर श्मशान घाट (नदी रोड) को गाय के गोबर से बनी स्टिक की आवश्यकता है।
विक्रेता व निर्माता सम्पर्क करें।
मंत्री
M. 9897246002

Mob.- 9412115385
मनीष हैण्डलूम
परदों की फेंसी वैरायटी
ब्रांडेड बैडशीट
बेड कवर
कुशन कवर
टेबल कवर
नई मण्डी, बिन्दल बाजार, मुजफ्फरनगर

स्वर्णिम साड़ीज
Mob.- 9012670001
रेमण्ड बैड शीट पर 50% छूट
स्वर्णिम साड़ीज की तरफ से बुटीक की डिज़ाईनर साड़ीज का नया कलैक्शन प्योर सिल्क 50 से ज्यादा वैराइटी
वृन्दावन मार्किट, बिन्दल वाली गली, नई मण्डी, मु0 नगर
इस पेपर की कटींग को लाने पर 10% छूट

गठिया एवं जोड़ के दर्द रोग विशेषज्ञ अब मुजफ्फरनगर में उपलब्ध
डॉ. अंकित जैन
MBBS,MD (Medicine), DM (Clinical Immunology & Rheumatology, JIPMER) SCE (Rheumatology, UK)
गठिया रोग विशेषज्ञ
अगर आपको –
हाथ और पैरों के छोटे-छोटे जोड़ों में दर्द व अकड़न रहती है।
दोनों घुटनों में दर्द व सूजन रहती है।
सुबह के समय जोड़ों में दर्द व अकड़न रहती है।
परिवार में किसी को पहले से गठिया है।
चिकनगुनिया बुखार के बाद जोड़ों में दर्द रहता है।
ओ.पी.डी. : प्रत्येक महीने के दूसरे बुधवार को (ओ.पी.डी. बुधवार दिनांक 12/10/2022 को)
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें मो. : 8307248463, 9084210825
हिन्द सुपर स्पेशिलिटी मेडीकेयर सेन्टर
203/52-ए मेन रोड, सदर बाजार, मुजफ्फरनगर-251001 (उ.प्र.)

रस्म तेरहवीं

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीय माताजी श्रीमती संतोष जैन (पत्नी श्री खेमचंद जैन) का स्वर्गवास दिनांक : 3 अक्टूबर 2022, दिन सोमवार को हो गया था। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।
उनकी आत्मिक शांति हेतु रखी गई रस्म तेरहवीं दिनांक : 12 अक्टूबर 2022, दिन बुधवार समय : दोपहर 2 बजे स्थान : जैन औषधालय, प्रेमपुरी, मुजफ्फरनगर में सम्पन्न होगी।

—शोकाकुल परिवार—
राजेश जैन (राजू)–रिंकी जैन, अजय जैन–पारूल जैन (पुत्र–पुत्रवधु)
ललित जैन–रूचि जैन, दीपक जैन–पूजा जैन (पुत्र–पुत्रवधु)
अलका जैन–सुरेश जैन, अंजना जैन–स्व. नवनीत जैन (पुत्री–दामाद)
दीपा जैन–विकल जैन (पुत्री–दामाद)
हनी जैन, यश जैन, अंतरिक्ष जैन, देवांश जैन (पौत्र)
पालकी जैन, दिया जैन, पीहू जैन, छवि जैन, सिद्धि जैन (पौत्री)
एवं समस्त जैन परिवार

प्रतिष्ठान : ● जैन बारदाना, मुजफ्फरनगर ● सागर फुटवियर, मुजफ्फरनगर ● गुप्ता जनरल स्टोर, नई मण्डी, मुजफ्फरनगर ● जय माँ ट्रेडर्स, पानीपत
निज निवास : 61 काजियान, लोहिया बाजार, मुजफ्फरनगर
मोबाइल : 9997529463, 7248232323, 9219634780

भावपूर्ण श्रद्धांजलि रस्म तेरहवीं

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूज्य माताजी श्रीमती शकुंतला देवी जी (पत्नी स्व. श्री बृजभूषण लाल जी बूरे वाले) का स्वर्गवास दिनांक : 03 अक्टूबर 2022, दिन सोमवार को हो गया था। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।
उनकी आत्मिक शांति हेतु रखी गई श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म तेरहवीं दिनांक : 12 अक्टूबर 2022, दिन बुधवार समय : अपराह्न 3 बजे स्थान : दर्पण बैंकट हॉल, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर में सम्पन्न होगी।

—शोकाकुल परिवार—
विजय कुमार गर्ग (पुत्र), अजय कुमार गर्ग–निशा (पुत्र–पुत्रवधु)
डॉ. संजय कुमार गर्ग–ममता, पवनीश कुमार गर्ग–पूनम (पुत्र–पुत्रवधु)
मंजू–संजय सिंघल (पुत्री–दामाद), श्रेष्ठ गर्ग, प्रांशु गर्ग, ध्रुव गर्ग (पौत्र)
अनुषा गर्ग (पौत्री), अक्षित, एकांश (धेवते)
सृष्टि–अंकित गोयल, अपर्णा–दिवाक्ष गोयल (पौत्री–पौत्री दामाद)
श्रेयांक (पड़धेवता), एरिका (पड़धेवती)

प्रतिष्ठान :
● मै. बाबूराम बृजभूषण लाल ● कृष्णा मारमेन्ट्स, भगत सिंह रोड, मुजफ्फरनगर ● अजय शू स्टोर, भगत सिंह रोड, मुजफ्फरनगर ● विद्या क्लीनिक, सदर बाजार, मुजफ्फरनगर
निज निवास : 203/45/4, उत्तरी सिविल लाइन्स, सदर बाजार, मुजफ्फरनगर
मोबाइल : 9412639278, 9837744767, 9319992888

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल मार्कशीट में मेरे पिता का नाम **पवन कुमार अंकित** है, जबकि अन्य कागजातों में **पवन कुमार गोयल** है। भविष्य में दोनों नामों से जाना जाये।

शौर्य गोयल
पुत्र पवन कुमार गोयल
निवासी : म.नं. 66, घेरखत्ती, नई मण्डी, मुजफ्फरनगर

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम MANJILA HASAN से बदलकर MANJILA ZAIDI रख लिया है। अब मुझे मेरे नये नाम MANJILA ZAIDI से जाना व पहचाना जाये।

मंजिला जैदी
MANJILA ZAIDI
पत्नी शहजाद हसन
निवासी : 122, सिखरेड़ा, जिला मुजफ्फरनगर

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम SHAHZAD HASAN से बदलकर SHAZAD HASAN रख लिया है। अब मुझे मेरे नये नाम SHAZAD HASAN से जाना व पहचाना जाये।

शहजाद हसन
SHAZAD HASAN
पुत्र शमशुल हसन
निवासी : 122, सिखरेड़ा, जिला मुजफ्फरनगर

त्यौहारों के चलते मंगलवार को भी खुलेंगे सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 10 अक्तूबर (बु.)। सोमवार को सर्राफा बाजार एसोसिएशन ने करवाचैथ, दीपावली आदि त्यौहारों के मद्देनजर दीपावली तक प्रत्येक मंगलवार को बाजार खोलने की छूट ले ली। इसके बाद अन्य व्यापारियों में भी पुरजोर यह मांग उठी, चाहे वह कपड़ा बाजार चाहे जूता बाजार, या चाहे जनरल मर्चेन्ट, या फिर दाल, चीनी प्रत्येक तरह के बाजार इसी दायरे में लाये जाने चाहिए और सभी प्रकार के बाजार खुलने चाहिए। व्यापार मण्डलों का कहना है कि प्रशासन को स्वयं ही यह घोषणा कर देनी चाहिए कि दीपावली तक प्रत्येक मंगलवार किसी प्रकार का कोई चालान पूरे जनपद में ना काटा जाये और विधिवत त्यौहारों को देखते हुए बाजार खोले जायें। अब देखना यह होगा कि प्रशासन व्यापारियों से मान मनव्वल कराकर इजाजत देता है अथवा स्वयं ही बाजार खोलने की घोषणा करता है।

अदालत ने हत्या के दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

मुजफ्फरनगर, 10 अक्तूबर (बु.)। अदालत ने दो हत्यारोपियों को आजीवन कारावास व अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार 5 जनवरी 2011 को थाना शाहपुर पर रिपोर्ट दर्ज कराई गयी थी कि सलमूदीन व युसुफ पुत्रगण बशीर निवासीगण ग्राम शाहजुड्डी थाना शाहपुर ने घर में घुसकर अवैध शस्त्रों से लैस होकर वादी की पत्नी एंव लड़के पर गोली चलाकर वादी के लड़के की हत्या कर दी है, जिसके सम्बन्ध में वादी द्वारा दी गयी लिखित तहरीर के आधार पर थाना शाहपुर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना शाहपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए युसुफ को 5 जनवरी 2011 को ही गिरफ्तार किया गया थ तथा अभियुक्त सलमूदीन द्वारा 11 जनवरी 2011 को न्यायालय में आत्मसमर्पण किया गया था। विवेचक द्वारा साक्ष्य संकलन की कार्यवाही पूर्ण करते हुये 26 जनवरी 2011 को आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया था। आज न्यायालय विशेष न्यायाधीश एसएसी-एसटी एक्ट जमशेद अली ने आरोपियों को धारा 452, 323, 325, 307, 302 व 34 भादवि, धारा 3(2)(5) एससी-एसटी एक्ट व धारा 7 सीएल एक्ट को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास व 14 हजार रुपये अर्थदण्ड तथा अभियुक्त युसुफ को धारा 25 आयुद्ध अधिनियम में एक हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर साइकिल सवार की मौत

मुजफ्फरनगर, 10 अक्तूबर (बु.)। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से साईकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई। घायल को उपचार के लिये बेगरजपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिये भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव बोपाड़ा निवासी 57 वर्षीय रमेशचंद पुत्र हरवीर सिंह बीती देर रात साईकिल से अपने घर लौट रहा था। शाहपुर कट पर सड़क पार करते समय तेज रफ्तार से आए अज्ञात वाहन ने उसे चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिये बेगरजपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिये भेज दिया है।

डकैती में फरार चल रहे 25000 के ईनामी को पुलिस ने दबोचा

मीरापुर, 10 अगस्त (बु.)। पुलिस ने डकैती के मामले कई माह से फरार चल रहे 25 हजार के ईनामी अंतर्राज्यीय डकैत को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाश ने करीब आठ माह पूर्व अपने साथियों के साथ मिलकर मीरापुर में डकैती डाली थी। सोमवार को क्षेत्राधिकारी भोपा रामाशीष यादव ने मीरापुर थाने में प्रेसवार्ता कर बताया कि मीरापुर कस्बें में करीब आठ माह पूर्व में 27/28 फरवरी की मध्य रात्रि में आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने हथियारो के बल पर मीरापुर थाने से कुछ ही दूरी पर सब्जी मण्डी के पीछे खतौली रोड नई बस्ती निवासी कपड़ा व्यापारी शाहनजर उर्फ छोटू पुत्र जान मौहम्मद के मकान में धावा बोलकर परिवार को हथियारों के बल पर बंधक बनाकर लाखों की डकैती डाली थी। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए डकैती में शामिल आठ बदमाशों में से सात बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार जेल भेजा था तथा उनसे मीरापुर की डकैती व अन्य डकैती में लूटे गये रुपए व जेवरात बरामद किए थे। सीओ ने बताया कि उक्त डकैती में शामिल शातिर डकैत 25,000 का ईनामी बदमाश इरफान उर्फ पहलवान उर्फ फाना पुत्र बुदरी उर्फ हबीब उर्फ हबीबुल निवासी गंगेरू थाना कांधला जनपद शामली, हाल निवासी मौहल्ला खालापार,मुजफ्फरनगर तभी से फरार चल रहा था। शातिर डकैत इरफान पर कई राज्यो में डकैती, लूट व अन्य धाराओं में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।जिनमें से करीब 17 मुकदमों में इरफान वांछित चल रहा था। जिसे मीरापुर इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस राजस्थान के थाना झुन्झुनू से गिरफ्तार कर लिया। सीओ भोपा ने ईनामी डकैत को गिरफ्तार करने पर मीरापुर पुलिस की सराहना की।

ज्योतिष के पुरोधा पंडित राज भारद्वाज नहीं रहे, पंचतत्व में विलीन हुए

- राज भारद्वाज ने पहले ही कर दी थी अपनी मौत की भविष्यवाणी
- मेरठ अस्पताल में ली अंतिम सांस, शाम को हुआ अंतिम संस्कार

मुजफ्फरनगर, 10 अक्तूबर(बु.)। गोल्ड मेडलिस्ट ज्योतिषाचार्य पंडित राज भारद्वाज सोमवार को दुनिया छोड़ गए। मेरठ में उपचार के दौरान सुबह भारद्वाज ने अंतिम सांस ली। शाम के समय नम आंखों के बीच उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बड़ी बात यह है कि भारद्वाज ने पहले ही अपनी मौत की भविष्यवाणी कर दी थी। ज्योतिष के पुरोधा रहे पंडित राज भारद्वाज का कोई सानी नहीं था।

उनकी तमाम भविष्यवाणी सटीक बैठती थी, वो तिथि तक बताते थे। मुजफ्फरनगर में गणेश महोत्सव के जनक माने जाने वाले राज भारद्वाज ने इस बार 42 वें गणेश महोत्सव का सफल आयोजन किया था। उसके कुछ दिन बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद पंडित भारद्वाज को मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार सुबह पंडित राज भारद्वाज ने अंतिम सांस ली।

उनके निधन की खबर से शहर में शोक की लहर दौड़ गई। मेरठ से उनके पार्थिव शरीर को केशवपुरी आवास लाया गया, जहां पर शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों और उधोगपतियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शाम को उनकी अंतिम यात्रा आवास से नदी घाट श्मशान घाट पर पहुंची, जहां उनके बेटे गोलू भारद्वाज ने मुखाग्नि दी। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एनके अरोरा, प्रदीप तायल, योगेश जैन, ज्योतिविंद्द संजय सक्सेना, शिव चरण, अजय फाइनेंस, पूर्व सभासद नरेंद्र नन्दू, विजित जैन, प्रवीण अरोरा, डब्बू आदि मौजूद रहे। मुजफ्फरनगर बुलेटिन परिवार उनके निधन पर शोक संवेदना प्रकट करते हुए परमात्मा से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता है।

नाबालिग छात्रा के अपहरणकर्ता को तीन वर्ष की कैद

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। अदालत ने नाबालिग छात्रा के अपहरण के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 3 वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष ने बताया कि गत् 20 मई 2016 को थाना कांधला के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी कक्षा 12 की छात्रा को स्कूल से वापसी के दौरान बहला फुसलाकर ले जाने व धमकी देने के मामले में आरोपी रवि को अदालत ने तीन वर्ष की सजा व तीन हजार रुपये का जुर्माने की सजा सुनाई है। जुमार्ने की रकम अदा न करने पर दोषी को एक माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। मामले की सुनवाई विशेष अदालत पोक्सो प्रथम की जज रीमा मल्होत्रा की कोर्ट में हुई। अभियोजन की ओर से विशेष अभियोजक प्रदीप बालियान व विक्रांत राठी ने पैरवी की।

राजस्थान में रहकर स्क्रैप बीनने का काम कर रहा था कुख्यात डकैत

मीरापुर। कई राज्यों में दर्जनों डकैती डालकर अपना आतंक फैलाने वाला 25,000 का ईनामी कुख्यात डकैत इरफान उर्फ पहलवान बेहद शातिर है तथा मीरापुर में डकैती डालने के बाद वह परिवार के साथ राजस्थान के झुन्झुनू में जाकर छुप गया तथा तथा उसका परिवार यहाँ कबाड़ी का काम करने लगा तथा इरफान घर के अन्दर ही रहकर गुपचुप तरीके से स्क्रैप में से लोहा,तांबा व एल्युमिनियम को अलग अलग बीनने का कार्य करता था,शातिर इरफान घर से बाहर भी नही निकलता था।पुलिस के अनुसार पड़ोसियों ने भी इरफान को कभी नही देखा था।

लापरवाही के गड्ढों ने ली कक्षा नौ की होनहार छात्रा की जान

शामली, 10 अक्टूबर (बु.)। शहर की खस्ताहाल सड़कें नागरिकों की जान की दुश्मन बन गई हैं। कैराना रोड़ पर सोमवार तड़के बरसात में लापरवाही के गड्ढों में एक और होनहार छात्रा की दुखद मृत्यु हो गई। सोमवार सवेरे सड़क में बने गहरे गड्ढे. में ई-रिक्शा के पलटने से कक्षा 9 की छात्रा की मौत हो गई, जबकि बड़ी बहन बालबाल बच गई। आसपास मौजूद लोगों ने छात्रों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से शहर की सडकें पूरी तरह से खस्ताहाल हो गई। सड़कों की हालत यह है कि जिधर से भी गुजरे चारों तरफ सडकों में गड्डे. ही गड्डे. हैं। सोमवार सवेरे स्कूल खुले तो शहर के मौहल्ला बलभद्र मंदिर विश्वकर्मा नगर निवासी मुकेश कुमार की पुत्री व सैंट फ्रांसिस स्कूल की कक्षा 9 ए की छात्रा सूची अग्रवाल अपनी बहन आदया अग्रवाल के साथ एक निजी ई-रिक्शा से स्कूल जा रही थी। बताया जाता है कि जब वे कैराना रोड स्थित लावणय होटल के निकट पहुंचे तो सड़क में गहरा गड्ढा होने के कारण ई-रिक्शा गड्ढे. में फंसकर पलट गई, जिसमें दबकर सूची अग्रवाल की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बड़ी बहन आद्या व रिक्शा चालक चोटिल हो गए। राहगीरों ने किसी तरह रिक्शा के नीचे दबी छात्रा को बाहर निकाला और नजदीक के प्राईवेट अस्पताल में भर्ती भी करायाा, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना की जानकारी पाकर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली, लेकिन परिजनों ने किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही करने से इंकार कर दिया। जिसके बाद देर शाम छात्रा के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक छात्रा सूची के पिता मुकेश कुमार अग्रवाल का कहना है कि उसके दो ही पुत्रियां थी, जिसमें से छोटी बेटी सूची अग्रवाल की सड़क में बने गहरे गड्ढों व ई-रिक्शा चालक की लापरवाही ने जान ले ली है, जिला प्रशासन को स्कूल मार्ग की सड़कों की मरम्मत करानी चाहिए और तेज गति

से चालाने वाले ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही हो, जिससे ऐसी दुर्घटनाओं से माता पिता के जिगर के टुकडों को बचाया जा सके, ज्ञात हो करीब दस दिन पूर्व शहर के उद्यमियों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर कैराना रोड की सड़क में बड़े-बड़े गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका जताते हुए उसे तत्काल गड्ढा मुक्त कराने की मांग की थी। बीते तीन दिनों से शहर में रुक-रुककर हो रही बरसात से सड़क की हालत और खराब हो गई, जिसके कारण सोमवार को एक होनहार छात्रा को लापरवाही के गड्ढे में असमय अपनी जान गंवानी पड़ी।

भोपा गंगनहर में मिले महिला के शव की हुई शिनाख्त

भोपा, 10 अक्टूबर (बु.)। भोपा गंगनहर पुल के पास बंद नहर में वृद्ध महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पुलिस ने महिला की शिनाख्त के शव की शिनाख्त करने की कोशिश की तो उसकी पहचान मुजफ्फरनगर निवासी के रूप में हुई। उससे पहले पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

भोपा निवासी वेदप्रकाश सोमवार की सुबह गंगनहर पटरी पर घूमने गया था तो उसने देखा कि बंद पड़ी गंगनहर में एक महिला का शव पड़ा

है, जिसे देखते ही उसके होश उड़ गए और उसने शोर मचा दिया। जिसके बाद अनेक लोग आए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगनहर में गत तीन दिन से पानी बंद है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला की शिनाख्त के प्रयास शुरू करते हुए उसके शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शाम के समय सोशल मीडिया पर वायरल हुए फोटो के माध्यम से महिला की शिनाख्त हुई। जिस पर थाना प्रभारी निरीक्षक विजेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि मृतक महिला राधा रानी चुग पत्नी रामप्रकाश चुग, जिसकी उम्र 64 वर्ष है। जो गली नं. 13, गोललोक धाम मन्दिर, गांधी कॉलोनी, थाना नई मण्डी, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। मृतका के बड़े पुत्र सौरभ के अनुसार उसकी माता पिछले 6-7 वर्षों से मानसिक रूप से बीमार है। जो सोमवार की सुबह साढ़े दस बजे घर से दवाई लेने निकली थी। दोपहर बाद सोशल मीडिया के द्वारा उनके शव मिलने की सूचना मिली। सम्भवतः राधा रानी ने नहर के पानी में कूदकर अपनी जान दी है।

पर्स व मोबाइल लूटने वाला गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने जानसठ रोड फ्लाईओवर के नीचे रविवार रात चैकिंग करते हुए संदिग्ध हालात में घूम रहे युवक को पकड़ा। इंस्पेक्टर संतोष त्यागी ने बताया कि पकड़े गए युवक की तलाशी लिए जाने पर उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ, जिस पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़ा गया आरोपी मौहल्ला लद्दावाला में एक मीनार मस्जिद के पास रहने वाला शाहरूख पुत्र तसव्वुर है, जिसने पूछताछ में शहर क्षेत्र में राहगीरों से मोबाइल व पर्स लूट की कई घटनाएं करने की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रविवार रात भी आरोपी इसी तरह की घटना को अंजाम देने की इरादे से क्षेत्र में घूम रहा था, लेकिन इससे पहले ही वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जल भेज दिया है।

घर में घुसकर दम्पत्ति पर किया जानलेवा हमला, घायल

मुजफ्फरनगर, 10 अक्टूबर (बु.)। नई मंडी थाना क्षेत्र के मौहल्ला शांतिनगर में कुछ लोगों ने घर में घुसकर दम्पत्ति के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। इस सम्बन्ध में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के मौहल्ला शांतिनगर निवासी विनोद कुमार ने नई मंडी थाने पर दी गई तहरीर में बताया कि रोहित नामक युवक उनसे रंजिश रखता है। आरोप है कि पिछले चार-पांच दिन से आरोपी लगातार विनोद को परेशान कर रहा था। जब उसने आरोपी की हरकतों का विरोध किया तो वह रविवार रात अपने तीन-चार साथियों के साथ विनोद के घर में जा घुसा। आरोप है कि युवक ने साथियों के साथ मिलकर विनोद के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। शोर सुनकर जब विनोद की पत्नी ने उसे बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की और शोर मचाने पर धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियो की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, छपार थाना क्षेत्र के गांव सिसौना बल्लूपुरा निवासी राहुल ने गांव के ही तीन युवकों पर अकारण मारपीट करने और जान से मारने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। छपार थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी सुनील व उसके दो बेटों विपिन व छोटू के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।